BODY DONATION AWARENESS

Body donation is the donation of the whole body after death for the medical research and education. It is regarded as an unselfish gift in allegiance to God, Medical Science and Country.

Shri Shankaracharya believed in the concept of 'body donation' and said 'Idam sharirum paropkarum' means the body is for use of others and death is not the end, it is the beginning.

Rishi Dadhichi had donated his life and by making weapon by his bones Devtas defeated Danvas in Sur-Asur Sangram. His bones are marked as a symbol on India's highest gallantry award 'Paramvir Chakra' as "Vajra". Body donation is a gracious and ideal act and it is being practiced since ancient time.

Why cremation or burial after death when we can donate or gift our body in allegiance to God, Country and Medical Science?

Donating your body after death to the Science or a farm?

Donating your eyes after death, then why not whole body?

Appeal by the Department of Anatomy All India Institute of Medical Sciences (AIIMS) Raipur:

*Cadaveric dissection is the integral part of the anatomy curriculum of Medical Science and there is a strong need to popularize the message to common masses to donate their bodies after death for the teaching and research purposes.

*A person in his life can express his will for body donation in writing (Pledge-form can be obtained from the department of anatomy) and can convince his next kith and kin about his / her pledging.

*The dead body along with the death certificate should be transported within 6 hrs to the Department of Anatomy AIIMS Raipur. In case of delay in transporting, the body should be kept in mortuary or on ice slabs and if needed the department can provide vehicle to transport the body within the Chhattisgarh state.

*Helpline Phone Number: 07712573777 Nodal Officer AIIMS Raipur: 9098762320
*Badhte Kadam Raipur: 9300119595, 9425205207 Rajnandgaon: 9827181772
*Mr. Pawan Keshwani (Pranam) Durg: 9479273500 *Mr. Kishore Tare: 9300929951

Thanks...

Dr. D. K. Sharma HOD Anatomy AIIMS Raipur: 9425513234

शरीर–दान जागरूकता

शरीर–दान मृत्यु के पश्चात चिकित्सा शिक्षा व शोध के लिए सम्पुर्ण शरीर का दान है। यह ईश्वर, देश या चिकित्सा विज्ञान को आभार स्वरूप दिया जाने वाला एक निश्वार्थ उपहार माना जाता है।

श्री शंकराचार्य शरीर दान पर विश्वास रखते थे और कहते थे कि 'इदं शरीरं परोपकारमं ' अर्थात शरीर दुसरों के उपयोग के लिए है; और मृत्यु अंत नही है, यह शुरूवात है।

ऋषि दधिची ने अपना जीवन दान दिया और उनकी अस्थियों से शस्त्र बनाकर सुर असुर संग्राम में देवताओं ने राक्षसों पर विजय प्राप्त की। उनकी अस्थियां भारत के सर्वोच्च वीरता पुरस्कार "परमवीर चक्र" में 'वज्र' के रूप में चिन्हीत हैं। शरीर–दान एक पवित्र एवं आदर्श कृत्य है और यह प्राचीन काल से किया जा रहा है।

दाह संस्कार या दफनाना क्यों जबकि मृत्यु के पश्चात हम अपना शरीर ईश्वर, देश या चिकित्सा विज्ञान को आभारस्वरूप दान या उपहार दे सकते हैं ?

मृत्यु के पश्चात अपना शरीर दान कर रहे हैं विज्ञान को या खेत को ?

मृत्यु के पश्चात अपनी आखें दान कर रहे हैं तो सम्पुर्ण शरीर क्यों नहीं ?

शरीर–रचना विभाग अखिल भारतीय आयुर्वेज्ञान सस्थान (एम्स) रायपुर द्वारा संदेश ;

*चिकित्सा विज्ञान के अंर्तगत मृत–शरीर अध्ययन/विच्छेदन शरीर–रचना शास्त्र का अविभाज्य अंग है और मृत्यु के पश्चात शरीर–दान जागरूकता का सामान्य जन में रूझान पैदा किया जाना शिक्षा एवं शोध कार्यो के लिए अत्यन्त आवश्यक है।

*कोई भी व्यक्ति अपने जीवनकाल में शरीर–दान का लिखित में घोषणा कर सकता है (घोषणापत्र शरीर–रचना विभाग से प्राप्त किया जा सकता है)और अपने पुत्र या पुत्री को अपनी इस घोषणा के लिए जानकारी दे सकता है।

*मृत्यु पश्चात शरीर मृत्यु प्रमाण–पत्र के साथ छः घंटे के भीतर शरीर–रचना विभाग एम्स रायपुर को भिजवाना चाहिए। भेजने में किसी प्रकार विलम्ब की स्थिति में शरीर को शवगृह या बर्फ की सिल्ली पर रखना चाहिए और आवश्यक होने पर शरीर रचना विभाग छत्तीसगढ़ राज्य के सीमार्गत शरीर के स्थांनार्तरण के लिए गाडी उपलब्ध करा सकती है।

* हेल्पलाईन फोन नं, 07712573777 नोडल अधिकारी एम्स रायपुर: 9098762320
*बढते कदम रायपुर: 9300119595, 9425205207 राजनांदगांव: 9827181772
*श्री पवन केशवानी (प्रनाम संस्था) दूर्ग: 9479273500 *श्री किशोर तारे 9300929951

धन्यवाद...

डॉ, डी, के, शर्मा विभागाध्यक्ष शरीररचना एम्स रायपुर: 9425513234